देश के दूसरे सबसे लंबे 'गंगा एक्सप्रेस वे' को मिले रु. 5100 करोड़, मजह 5 घंटे में पहुंच सकेंगे मेरठ से लखनऊ

12 जिलों से गुजरनेवाले इस 8 लेन के एक्सप्रेस वे का काम तेजी हो रहा है पूरा

Ganga expressway(Uttar Pradesh): उत्तर प्रदेश में सबसे लंबा गंगा एक्सप्रेस वे का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है. वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम मिशन शक्ति के दौरान मौजूद थी, इस मौके पर PNB बैंक की ओर से प्रोजेक्ट के लिए 5100 करोड़ रुपए का चेक दिया गया. चेक Uttar Pradesh Expressways Industrial Development Authority (UPEIDA) के नाम से जारी किया गया. इस दौरान मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस वे प्रदेश की रीढ़ साबित होगी. इस एक्सप्रेस वे से इलाहाबाद से लखनऊ भी करीब साढ़े 6 घंटे में पहुंचा जा सकेगा.

लखनऊ से मेरठ महज 5 घंटे

गंगा एक्सप्रेस वे में कार 120 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है. लिहाजा दावे के मुताबिक इस एक्सप्रेस वे के बन जाने के बाद लखनऊ से मेरठ का सफर 5 घंटे में ही पूरा किया जा सकता है. लखनऊ से मेरठ की दूरी सड़क मार्ग से 577 के आस पास है. लिहाजा आम तौर पर इतनी दूरी तय करने के लिए तकरीबन 9 से 10 घंटे का समय लगता है, लेकिन गंगा एक्सप्रेस वे में ये समय घटकर तकरीबन आधा रह जाएगा.

कहां कहां से गुजरेगा ये एक्सप्रेसवे

ये एक्सप्रेस वे मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुदापुर डांडू गांव के बीच तैयार किया जा रहा है. ये एक्सप्रेस वे प्रदेश के 12 जिलों को जोड़ागा जिसमें मेरठ(15 kms),संभल(39kms), हापुड़(33kms), बुलंदशहर(11kms), अमरोहा(26kms), बदायूं(92 kms), शाहजहांपुर(40kms), हरदोई(99kms), उन्नाव(105kms), राय बरेली(77 kms), प्रतापगढ़(41kms) और प्रयागराज(16kms) शामिल है.

कर्ज के रूप मिली निधि

5100 करोड़ रुपए की ये रकम प्रोजेक्ट के लिए UPEIDA के नाम जारी की गई है. इस रकम को प्राधिकरण 15 साल के दौरान टोल वसूली कर बैंक को लौटाएगा. इस लोन की कालावधि के दौरान एक्सप्रेस वे के रखरखाव की जिम्मेदारी UPEIDA के पास ही रहेगा.

देश का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस वे

गंगा एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा और देश का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेसवे है. इस एक्सप्रेस वे की लंबाई 594 किलोमीटर है. जानकारी के मुताबिक इस एक्सप्रेस वे के लिए लगनेवाली जमीन में से 92 प्रतिशत जमीन अधिग्रहित कर ली गई है. 36 हजार 230 करोड़ रुपए की लगात से तैयार होनेवाला ये एक्सप्रेस का काम जल्द पूरा होने की राह पर है.